

राजपत्र

The Gazette of I

प्राधिकार सं प्रकाशित

Ho. 30]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 25, 1998 (श्रावण 3, 1920) NEW DELHI, SATURDAY, JULY 25, 1998 (SRAVANA 3, 1920)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सुस्रो

भाग (---वार्थ 1---(रक्षा अज्ञान्य हो बोह्रसर्)ध्यान परस्ट के मंबानयों भी र उक्तनम स्यायापधी द्वारा जारी की गई विश्वितर नियम्त्री, ध्वानयम्त्रो, प्रावेशा तथा संकर्णों से संबंधत चित्रश्वनारा जाव I--जाव्ह 2--(रक्ता मंजालय को ओहकर) भारत सरकार के मतालयों और अध्वतम शायालय शारा जारी की गई सरकारी श्रीवकारिए हैं। नियाक्तमों, पदोन्नतिमा, छोट्टमो आदि के संबद्ध म जीव्युषनाएं चार्ग रे⊸- वश्व 3--श्वा महान्य द्वारा आगी किए गए सकल्यों भीर अपाविधक आवेश के सकत में प्रधि-मुचान ए व्यक्त (---वण्ड 4---रक्षा नवायण दारा जानी की गई सरकारी प्राप्तकारियों की नियक्तिको, प्रतस्तिकारी, खुहिटयों पावि के अध्य में प्राचिम्चनाय , भाग 🚺 - = बक्स 🖟 - भागितियम अन्यादेश 🚮 र अनियम बाव [[--बन्द 1-क-- बांछनियम , शह्यादेवी कीर विनयमी का क्रिक्टी बाबा में जांबाकून वाठ **बाब ∐ - व्यव्ह 2---विश्वे**यक तया विश्वेयको पर प्रवर समितियोँ के बिल नया 'रगार्ट कात II--काक 3--- अप-साम्ह (i) भारत संरक्षार के संकायमें (रक्षामंत्रालय को कोचकर) सीर केस्टीय प्राधिकरणो (संघ णासिन क्षेत्रों के प्रजासनों को ओडकर । द्वारा जारी किए यह भामान्य मांकिधिक नियम (किममें नामान्य स्वरूप कै अ(देग अ)र उप-विकास साथि मा शामित है) नाय II---वण्ड 3--- उप-वण्ड (ii) भारत सरकार के संज्ञानयाँ (रक्षा बहासय की कोड़ हर) और केस्रीय प्रश्चितरणें (सच मार्गमन भेड़ी क प्रमानमें को (तर) तर को किए वए मार्थिक वावेश और विधिसूचनाएँ

	7)	
नुब्द	था ए II – -वाप्त 3 –– उत्त-काप्र (। हे) –– भारत परकार के मंत्रातयों	শশ্ভ
	(जिनमेरका संकालय मो गामिल है) और	•
	के-द्रांग श्राधिकरणो (संच नारियत श्रीका क	
491	प्रणासमों को छोड़कर) । राजारी किया गए	
	मामाध्य यात्रिष्टिक नियमो ग्रीर यात्रिष्टक	
	माक्षओं (जिलमे पामास्य स्व≭प की उपविश्वियां	
	भी शासिल हैं) के हिस्ते प्राधिक्रत कर (एके	
	पानी की फोड़ कर जो भारत के राजपळ क	
597	म्हण्डं 3 यो भ्रष्ट 4 म श्कार्गगत चीन ;) .	•
	भाग []——कष्म 4—–र क्षामंत्रातय आरः जलो किए गए साविधक	
	!लयम और धा ॰ल	*
	भाग Шवण्डा !तश्च स्थासात्रको, रिश्वतः और यहःकेखा-	
1017	यंगीसक संच लोक सेव अंध्योग रूप धामान	
1017	भीरमारक वरतारम् उद्गयीर उल्लेखन	
•	कार्यालयो द्वीरा जारी में गं॰ योध्युवनाए	713
•	भाव III— अण्ड 2 व्यक्त कालावप द्वारः न सीको व प्रयस्य	
	धौर 'इतः को वे स्थापा अधि (वा।ए	
•	धोर नोरिन्ध	841
	भाग ([[वण्ड 3- ४५० अध्यक्ती के भण्डकर 🕜 अधीन	
	संख्वा द्वार। जानो की ग [ा] याधमुन स र	
	कास [∐——कण्ड 4 – विश्वभ याश्चन् वना ण विनर्मे समर्वाधक	
	भिकाली जारा हालें की लड़े अध्यक्त en	
•	आयोग विश्वापन पोरनाटिय जामित हैं	2409
	भाग IVगैर-परकारी क्यस्मिका धोरगर सरकारी	
	तिहासी सदा जागाहिए क्या विज्ञास्य	
	भौर नोप्टम	141
•	चात V ≔ प्रस्तीतीर विकास कार्यकार सुरः के	

बाबरा का शामि गर

क्रिक्ट क्राप्त नहीं

CONTENTS

	PAGE	· 	Page
PART I—Section I—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court PART I—Section 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the	491	PART II—Section 3—Sun-Sec (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Cazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a gen ra) character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories).	- mva
Supreme Court	59 7	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence.	•
by the Ministry of Defence PART I — Section 4 - Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence PART II — Section 1—Acts, Ordinances and Regula-	1017	PART III—Section 1 — Northcarious issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	713
PART II — Section 1—A — Authoritative tests in Hindi language of Acts, Ordinances and Regutadons	•	Patents and Dosigns	841
PART II —Section 2 —Bills and Repairs of the Solect Committee on Bills PART II —Section 3 —Sun-Section (i)—Control	•	PART III—SECTION 3 -Nontications issued by or under the authority of Chief Commissioners	•
Statutory Rules (including Orders, Byelaws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Ministry of Order than the Ministration of Union Forritories)		Page III -Secrics 4 -Miscellageous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2409
PART (I—Section 3 –Sun-Section (ii)— Statutory Orlers and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PARTIV—Advertise nents and Natices issued by Private Individuals and Private Budies .	141
by Control Authorities (other than the Almonestation of the Formation)	•	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc., both in English and Hardi	

भाग !-खण्ड ।

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा अंजालय को छोड़कर) मारत सरकार के मंत्रालयों और उच्छतम न्यायालय दारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिस्वनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सन्स्मालय

नद्दं दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1998

सं 88-प्रेज/98—राष्ट्रपति, सिचवालय की दिनांक 1 मार्च, 1951 की अधिस्त्वना संख्या 3-प्रेज में ''राष्ट्रपति का पृलिस पवक'' और ''प्लिस पवक'' रीर्षकों के अंतर्गत ''दूसरा'' शब्दों से गूरू होने वाले पैराओं में उन्नीस सौ अठानवे वर्ष के अगस्त के 15कें दिन से निम्निलिष्टित आशोधन करने का निवास दोते हैं:—

राष्ट्रपति का पुलिस पदक

''दसरा : इस पदक की आकृति युत्ताकार होगी, यह चांबी से बना होगा जिस पर 1 है इंच के व्यास में सोने का मुलम्मा चढ़ा होगा तथा इसके अग्रभार में कथ्य में कस्की के चिह्न सितारा की बाकृति उत्कीर्ण होगी और इसके ऊपरी किनारे पर "राष्ट्र-पिल का पिलस पदक-भारत'' शब्द तथा इसके निचले किनारे पर "Prosident's Pilic Metal-INDIA" इन्द्र अंकिन होंगे। हिन्दी और अंग्रेजी में उस्कीण शब्द दोनीं तरफ बनाए जाने वाले छोटो रिस्तारो ब्वारा पथक किए जाएंगे । इसके पिछली और, मध्य में राष्ट्रीय चिह्न तथा ''बीरता के लिए'' या ''विशिष्ट संवा के लिए'' शब्द तथा "For Gallantry" या "For Distinguished जब्द क्रमण: उत्पर और निचले किनारे पर उत्कीर्ण Service" होंगे । ''सत्यमेव जयते'' शब्द राष्ट्रीय चिह्न के नीचे उत्कीर्ण किए जाएंगे। राष्ट्रीय विहन और इसके आस-पास के शब्द गीलाकार माला में होंगे। बाहरी किनारे पर पदक, प्राप्तकर्ता का नाम मंकिस किया जाएगा"।

पुलिस पदक

"दूसरा: इस पदक की आकृति मृताकार होगी, यह कार्स का वना होगा तथा 1 में इंच के ज्यास का होगा इसके अग्रभागः में मध्य में राष्ट्रीय चिहन उन्कीर्ण होगा और इसके नीचे ''सत्यमें अग्रते'' शब्द अभिकृत किए जाएंगे। 'पृत्तिस पदक'' ''Police Me'al'' शब्द अम्बाः उत्परी और निचल किंगारे पर लिखे वाएंगे हिन्दी और अग्रेजी में उत्कीर्ण शब्द दोनी तरफ बनाए जाने बाले छोटो सितारे द्वारा एथक किए जाएंगे। इसके पीछे की और ''भागतीय प्रित्स'' और ''मिंगांबा Police'' शब्द कम्बाः उत्परी और निचल फिनारो पर उत्कीर्ण होंगे। ये उत्कीर्ण शब्द

वो समानान्तर क्षेतिज सीधी रेखाओं द्वारा पृथक किए जाएं के जिनमें ''वीरता के लिए'' और ''Fer Galiantry'' अथवा ''स्राह-नीय सेवा के लिए'' और ''Fer M ritericus Sorvice'' शब्द उत्कीर्ण किए जाएंगे । ये शब्द इन रेखाओं के दोनों तरफ अर्थ-वृत्ताकार मानाओं में होंगे । बाहरी किनारों पर पद्देक प्राप्तकर्ता का नाम अंकित किया जाएगा ।

बरुण <mark>मित्रा</mark> राष्ट्रपति का उप सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1998

गं. 89-प्रेज/98—राष्ट्रपति सचिवालय की विनांक 17 जन-वरी, 1973 की अधिसूचना संख्या 5-प्रेज/73, में वर्तमान परा चतुर्थ निम्निजिखत बुवारा प्रतिस्थापित किया जाए :—

"चतुर्थ—यह पदक निम्निलिस्त श्रीणां के एसे किर्मिकों को प्रवान किया जाएगा जो किसी भी प्रकार की कार्रवाई में रात्र की कार्रवाई से सीधे ही अथया सरकार व्वारा विनिधिक्ट क्षेत्रों में की जाने वाली विद्रोह विराधी या आंतरिक सुरक्षा कार्रवाई के दौरान घायल हुए/होले हैं"। यह 15 अगस्त, 1947 से प्रभावी होगा।

एस. के. शरीफ राष्ट्रपति का संयुक्त सचिव

योजना आहोग

नहर्ष दिल्ली-110 001, दिनांक 17 जून 1998 संकल्प

सं. क्ष्यू 11012/2/97-98-ए आर पी यू—डा. जी. एस. कालकट, कुलपिट, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी ए यू) लुध्याना की डा. अमरजीत सिंह खेरा के स्थान पर नियक्ति होने के परिणामस्वरूप, डा. जी. एस. कालकट, आंचितक योजना दल-VI (गंगा पर मैदानी क्षेत्र), जिसका गठन योजना आयेग के संकल्प सं. क्यू 11012/2/97-98-ए आर पी यू दिनांक 14 ज्लाई, 1997 द्वारा किया गया था, के तत्काल प्रभाव से अध्यक्ष होंगे।

आद रे

बार शि दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति येजना दल के अध्यक्ष तथा सदस्यों, राज्य सरकारों और भारत सरकार के सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए । यह भी आदशे दिया जाता है कि इस संकल्प की सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

> अरिवन्द कुमार अलिप्रिया उप सचिव (प्रशासनी

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 20th July 1998

No. 88-Pres/98.—The President is pleased to direct modification of Paras begining with the words "Secondly:" appearing under the headings "President's Police Medal" and "Police Medal" in the President's Secretariat's Not fication No. 3-Pres dated the 1st March, 1951 with effect from the 15th day of August in the year one thousand nine hundred ninety eight as under:—

President's Police Medal

"Secondly: the Medal shall be circular in shape, made of silver gold gilt, one and three eighth inches in diameter, and shall have embossed on the obverse the design of 2 heraldic Star in the Centre and shall have engraved on the upner edge the words राष्ट्रपति का पृत्तिस प्रका—भारत" and the words "President's Police Medal—INDLA inscription shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the State Emblem in the centre and words "भारता के लिए" or "पिशान्द सेवा के लिए" and the words "For Gallantry' or "For Distinguished Service" on the upper and lower edge respectively. The words सर्भिय ज्यते" shall be embossed below the State Emblem. The state and the writings around it, shall be encircled by a wreath. On the rim, the name of the person, to whom the medal has been awarded, shall be inscribed".

Police Medal

"Secondly: The medal shall be circular in shape made of bronze, one and three eighth inches in diameter and shall have embossed on the obverse the State Fmblem in the Centre and the words "मरमेव ज्यते" inscribed thereunder. The words "पुलिस प्रक" and "Police Medal" shall appear on the upper edge and lower edge respectively. Hindi and English inscriptions shall be separated by a small Star appearing on either side. On the reverse, it shall have embossed the words "भागतीय पुलिस" and the "Indian Police" on the upper and lower sides respectively. These inscriptions shall be separated by two parallel horizontal straight lines wherein the words "बारता के लिए" and "For Gallantry" or "सराहतीय सेवा के लिए" and "For Meritorious Service" shall be inscribed. This will be semicircled by wreaths on either side of these lines. On the

rim the nane of the person to whom the medal has been awarded, shall be inscribed".

BARUN MITRA, Dy Secy to the President

New Delhi, the 10th July, 1998

No. 89-Pres/98.—The existing para begining with the words "Fourthly" in the President's Secretariut Notification No. 5-Pres/73, dated the 17th January, 1973 shall be substituted by the following:—

"Fourthly — The medal shall be awarded to the following categories of personnel who sustained/sustain wounds as a result of direct enemy action in any type of operations or counter—insurgency operations or on internal security operations being undertaken in the areas notified by the Govt". This will take effect from the 15 August, 1947.

S. K. SHERIFF, Jt. Secy. to the President

PLANNING COMMISSION

New Delhi-110 001, the 17th June 1998

RESOLUTION

No. Q.11012/2/97-98-ARPU.—Consequent upon appointment of Dr. G. S. Kalkat, Vice-Chancellor of Punjab Agricultural University (PAU), Ludhiana in place of Dr. Amarjeet Singh Khera, Dr. G. S. Kalkat will be the Chairman of Zonal Planning Team-VI (Trans Gange ic Plaina Region), constituted vide Government of India, Planning Commission Resolution No. Q. 11012/2/97-98-ARPU dated 14th July, 1997, with immediate effect.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to the Chairman and Members of the Planning Team, all concerned Ministries and Departments of State Governments and Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ARVIND KUMAR ALIPURIA, Dy. Secy. (Admu.)